भारत सरकार

नागर विमानन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न संख्या :700

दिनांक 2 दिसम्बर, 2021/ 11 अग्रहायण,1943 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

तेलंगाना में नए हवाई अड्डे

700. डॉ. जी.रणजीत रेड्डी:
डॉ. वेंकटेश नेता बोरलाकुंता:
श्रीमती कविता मलोथू:
श्री दयाकर पसुनूरी:

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या तेलंगाना सरकार ने तेलंगाना में छह हवाई अड्डों की मंजूरी के लिए अनुरोध किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में केन्द्र सरकार द्वारा अब तक क्या कार्रवाई की गई है;

(ग) क्या भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने उक्त हवाई अड्डों पर बाधा सीमा सतह सर्वेक्षण (आब्सटेकल लिमिटेशन सर्फेश सर्वे), मिट्टी परीक्षण आदि कराया है; और

(घ) यदि हां, तो क्या एएआई ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की है; और

(ड.) यदि हां, तो एएआई का निष्कर्ष क्या रहा है और कब तक केन्द्र सरकार सभी वैधानिक मंजूरी लेगी और इन परियोजनाओं पर कार्य शुरू करेगी?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (जनरल (डा.) विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त))

(क) से (च): तेलंगाना सरकार ने तीन ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों (i) जकरनपल्ली, जिला निजामाबाद (ii) पालवांचा, जिला भदादरी कोठागुडम, (iii) जिला महबूबनगर में तथा तीन ब्राउनफील्ड हवाईअड्डों (iv) मामनूर, जिला वारंगल (v) बसंत नगर, जिला पेड्डापल्ली और (vi) अदिलाबाद, जिला अदिलाबाद में का विकास कार्य किया जाना प्रस्तावित किया है और इन छह (6) हवाईअड्डों के लिए तकनीकी-व्यवहार्यता अध्ययन करने के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) को नियुक्त किया है। एएआई ने उपर्युक्त छह हवाईअड्डों के संबंध में अंतिम रिपोर्ट राज्य सरकार को प्रस्तुत कर दी है। इन हवाईअड्डा परियोजनाओं को प्रारंभ किए जाने की पूर्णता की समयरेखा तेलंगाना राज्य सरकार द्वारा आगे की कार्रवाई किए जाने पर निर्भर करती है।